CS (MAIN) EXAM, 2010

No. 076

C-DTN-K-FDB

ECONOMICS

Paper II

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Questions No. **1** *and* **5** *which are compulsory, and any* **three** *of the remaining questions selecting at least* **one** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है ।

SECTION A

1. Answer the following in about 200 words each : *20×3=60*

   (a) Discuss the contributions of D.R. Gadgil to Indian Economic Planning and Policy. Evaluate the key elements of the 'Gadgil Formula' used by the Planning Commission.

   (b) Bring out the role of State Finance Commissions in India, with particular reference to the rural economy.

   (c) Compare and contrast the 'Swadeshi' of 1905 and the 'Swadeshi' promoted later by Mahatma Gandhi.

2. (a) Gunder Frank held that development of one part of the world causes underdevelopment of another part. Does it explain industrialisation of Britain and the de-industrialisation of India during the British Raj ? Assess. *30*

   (b) Is Gunder Frank's above view still valid in the contemporary world ? Substantiate your answer. *20*

   (c) What were the shortages faced by the manufacturing sector in India at the dawn of Independence ? *10*

खण्ड क

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 200 शब्दों में उत्तर दीजिए : *20×3=60*

   (क) भारतीय आर्थिक योजनाकरण एवं नीति को डी.आर. गाडगिल के योगदानों पर चर्चा कीजिए । योजना आयोग द्वारा प्रयुक्त 'गाडगिल फॉर्मूला' के निर्णायक तत्त्वों का मूल्यांकन कीजिए ।

   (ख) ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विशेष उल्लेख के साथ, भारत में राज्य वित्त आयोगों की भूमिका पर प्रकाश डालिए ।

   (ग) 1905 के 'स्वदेशी' और कालांतर में महात्मा गांधी द्वारा प्रोन्नत 'स्वदेशी' के बीच की समानताएँ और विषमताएँ बताइए ।

2. (क) गुंडर फ्रैंक की धारणा थी कि संसार के किसी एक भाग का विकास, किसी अन्य भाग में अल्पविकास पैदा कर देता है । क्या इससे अंग्रेज़ी राज के दौरान ब्रिटेन का औद्योगीकरण और भारत का वि-औद्योगीकरण सुस्पष्ट हो जाता है ? आकलन कीजिए । *30*

   (ख) क्या गुंडर फ्रैंक का उपर्युक्त दृष्टिकोण समकालीन संसार में अभी भी मान्य है ? अपने उत्तर को प्रमाण देते हुए पुष्ट कीजिए । *20*

   (ग) स्वतंत्रता के प्रारंभ में, भारत में विनिर्माण क्षेत्रक को किन अभावों का सामना करना पड़ा था ? *10*

3. (a) "It was needless export pessimism that led India to adopt import substitution strategy of industrialisation in the pre-liberalisation period." Critically examine. *30*

(b) In a supply constrained economy, how was it argued in India in the 1950s that deficit financing would help raise the growth rate ? In hindsight, analyse the validity of this view. *30*

4. Discuss the poverty trends — both rural and urban, between 1973 – 74 and 2004 – 05 across States in terms of pace of reduction and concentration and relate them with changes in growth rates between the pre- and the post-liberalisation periods. *60*

3. (क) "यह अनावश्यक निर्यात निराशावाद ही था कि जिसके फलस्वरूप उदारीकरण-पूर्व की अवधि में भारत ने औद्योगीकरण की आयात प्रतिस्थापन रणनीति को अपनाया था ।" समालोचनापूर्वक परीक्षण कीजिए । *30*

(ख) पूर्ति बाधित अर्थव्यवस्था में, भारत में 1950 के दशक में यह तर्क कैसे दिया जाता था कि घाटा वित्तीयन संवृद्धि दर को ऊपर उठाने में मददगार होगा ? पश्च दृष्टि में, इस दृष्टिकोण की मान्यता का विश्लेषण कीजिए । *30*

4. 1973 – 74 और 2004 – 05 के बीच राज्यों के आर-पार, न्यूनन एवं संकेंद्रण की रफ़्तार के रूप में, निर्धनता रुझानों, ग्रामीण और शहरी दोनों, पर चर्चा कीजिए और उदारीकरण-पूर्व और उदारीकरण-पश्च की अवधियों के बीच संवृद्धि दरों में हुए परिवर्तनों के साथ उनका सम्बन्ध स्थापित कीजिए । *60*

SECTION B

5. Answer the following in about 150 words each : *15×4=60*

(a) Critically assess the Tendulkar Committee's approach to measuring poverty in India.

(b) Delineate the role of the District Planning Committee.

(c) What are the implications in the replacement of the Prime Lending Rate System by the Base Rate System recently ?

(d) What are the four modes of GATS ? What mode has been preferred by India and why ?

6. (a) "Declining Public Expenditure in agriculture is largely responsible for deceleration of growth in this sector in India." Critically examine the validity of this statement. *20*

(b) "India has of late been over-tertiarized." Do you agree ? Substantiate your answer. *20*

(c) Recent trends show that poverty incidence in urban areas is higher than its rural counterpart in more prosperous states. What factors, do you think, explain this ? *20*

खण्ड ख

5\. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए : *15×4=60*

(क) भारत में निर्धनता मापन के तेंदूलकर समिति के उपागम का समालोचनापूर्वक आकलन कीजिए ।

(ख) ज़िला योजनाकरण समिति की भूमिका की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए ।

(ग) हाल में 'प्रधान उधारदान दर प्रणाली' के 'आधार दर प्रणाली' के द्वारा प्रतिस्थापन में क्या-क्या निहितार्थ हैं ?

(घ) 'गैट्स' की चार विधाएँ कौनसी हैं ? भारत ने किस विधा को तरजीह दी है और क्यों ?

6\. (क) "कृषि में गिरता हुआ सार्वजनिक व्यय, भारत में इस क्षेत्रक में संवृद्धि के मंदन के लिए अधिकांशतः उत्तरदायी है ।" इस कथन की तर्कसंगति का समालोचनापूर्वक परीक्षण कीजिए । *20*

(ख) "हाल ही में भारत अति-तृतीयीकृत किया गया है ।" क्या आप इस बात से सहमत हैं ? अपने उत्तर को प्रमाण सहित पुष्ट कीजिए । *20*

(ग) हाल के रुझान दर्शाते हैं कि शहरी क्षेत्रों में निर्धनता का आपतन, अपेक्षाकृत अधिक समृद्ध राज्यों के ग्रामीण इलाकों के मुकाबले अधिक ऊँचा है । आपके विचार में इस बात को कौनसे कारक स्पष्ट करते हैं ? *20*

7. (a) Critically examine the fiscal federal system as it operates in India presently. What improvements would you suggest ? *30*

(b) Assess the degree of success of the targeted Public Distribution System in the country in meeting its objectives. *30*

8. (a) Bring out the broad changes in the level, composition and direction of Indian exports and imports since liberalisation in India. *40*

(b) Examine the key elements of the Swarnajayanti Gram Swarozgar Yojana (SGSY). What are the major problems in its implementation ? *20*

7. (क) राजकोषीय परिसंघीय प्रणाली, जैसी कि वर्तमान में भारत में वह परिचालित है, का समालोचनापूर्वक परीक्षण कीजिए । आप उसमें किन सुधारों का सुझाव देंगे ? 30

(ख) देश में अभिलक्ष्यक सार्वजनिक वितरण प्रणाली की अपने उद्देश्यों को पूरा करने में, सफलता की मात्रा का आकलन कीजिए । 30

8. (क) भारत में उदारीकरण से लेकर अब तक, भारतीय निर्यातों और आयातों के स्तर, संयोजन और दिशा में आए हुए मुख्य परिवर्तनों को उजागर कीजिए । 40

(ख) स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोज़गार योजना (एस.जी.एस.वाई.) के अत्यंत महत्त्वपूर्ण तत्त्वों का परीक्षण कीजिए । इस योजना के कार्यान्वयन में क्या प्रमुख समस्याएँ हैं ? 20

C-DTN-K-FDB

अर्थशास्त्र

प्रश्न-पत्र II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं । बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं ।

Note : *English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.*